ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA, TRIVENIGANJ

Report on- Departmental Seminar

Name of the Event	Seminar on the topic :- " सर शैयद अहमद खान की उर्दू तहरीर पर बयान "
Date of the Event	11.05.2023
Venue of the Event	College Conference Hall
Organized By	Department Of Urdu
No of Participant	22
Resource Persons	Not Applicable
Transcript of M.O.M. in English	**Department of Urdu** Today on dated 11.05.2023 Thursday a workshop under the chairmanship of Prof. Afroz Alam H.O.D. Deptt. Of Urdu was organised in the conference Hall of Anooplal Yadav Mahavidyalaya Triveniganj (Supaul). Topic :- " सर शैयद अहमद खान की उर्दू तहरीर पर बयान "

सूचना

संख्या–URDU/D/001

उर्दू विभाग स्नातक पार्ट–**I, (Hons)** के सभी छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक–11/05/2023 रोज– बृहस्पतिवार दिन के 10:00 बजे महाविद्यालय के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें आप सभी छात्र–छात्राओं का उपस्थिति अनिवार्य हैं सभी छात्र/छात्रा अपना–अपना आधार कार्ड एवं नामांकन रसीद एवं एक प्रति फोटो साथ अवश्य लावेगें।

Copy to
Principal, A.L.Y. College, Triveniganj
IQAC – COORDINATOR

Dr. मो० शफीकुल हक़

प्रो0 अफरोज आलम
विभागाध्यक्ष उर्दू विज्ञान
अनूपलाल यादव महाविद्यालय
त्रिवेणीगंज सुपौल

NOTICE OF THE EVENT

बैठक सं० – 17

Page No.
Date

आज दिनांक - 11.05.023 रोज गुरुवार को महाविद्यालय के सभागार में उर्दू विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० अफरोज आलम की अध्यक्षता में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका Topic :- " सर सैयद अहमद खाँ की उर्दू तहरीर पर ध्यान " है। जिसमें (कार्यशाला में) निम्नलिखित शिक्षक एवं छात्र/छात्राएँ उक्त विषय पर अपना वक्तव्य व्यक्त किये। कार्यशाला में महाविद्यालय के निम्न शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मी गण एवं छात्र/छात्राएँ भाग लिए।

11.05.023
प्राचार्य

PRINCIPAL
ANOOPLAL YADAV MAHAVIDYALAYA
Triveniganj, Supaul (Bihar)

11.05.023
IQAC
Co-ordinator

IQAC Co-Ordinator
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

11.05.023
अध्यक्ष
विभागाध्यक्ष उर्दू विभाग
अनूपलाल यादव महाविद्यालय
त्रिवेणीगंज

M. O. M. & ATTENDANCE OF THE EVENT

Page No. 34
Date

स्वच्छता - स्वच्छता शपथ

1	सुरबी कुमारी	842
2	निक्की कुमारी	254
3	काजल कुमारी	849
4	दिलखुशा कुमारी	855
5	सतेन्द्र कुमार	~~70~~ 1071
6	साजन कुमार	777
7	कंचन कुमारी	1038
8	बेबी कुमारी	723
9	रिया कुमारी	599
10	शबिया खातून	
11	शिखा कुमारी	→30
12	भारती कुमारी	→324
13	प्रियांशु कुमारी	→ 6
14	शमा प्रवीण	→ 798
15	रवीना कुमारी	601
16	रोशनी प्रवीन	
17	संजीदा प्रवीण	
18	सीमा कुमारी	→ 993
19	तारा कुमारी	→ 700
20	नयन कुमारी	
21	संगीता कुमारी	→ 1079
22	जितेन्द्र कुमार	
23	ABHISHEK Kumar	— 913
24	Ranjit Singh	
25	Rohan Kumar	
26	Arti Kumari	—614

STUDENT ATTENDANCE OF THE EVENT

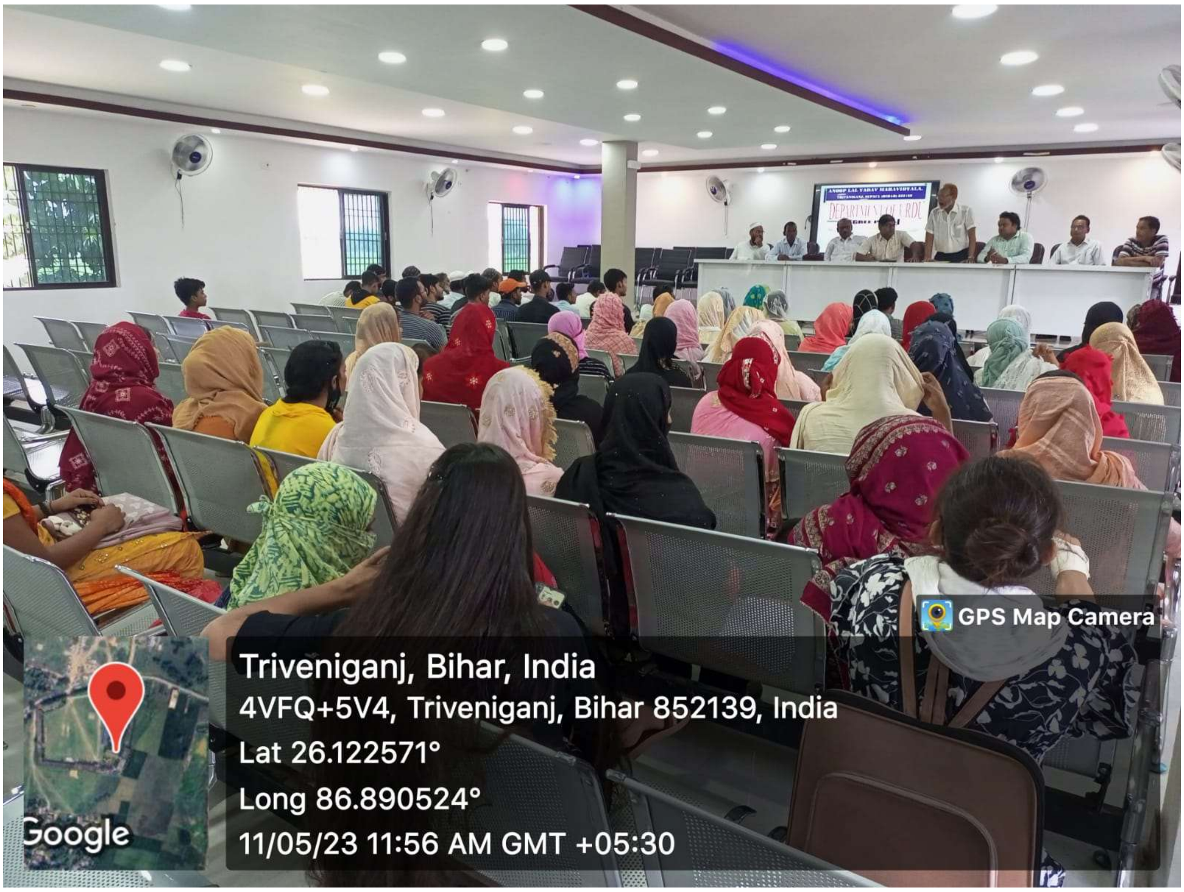

GEO-TAG PHOTO OF THE EVENT

PHOTOGRAPHS OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

Principal

[redacted]

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED]

[redacted]

Mob.- 9939257785, 9431204188 * Tel./Fax: 06477-220940 * Website- www.alycollege.com * E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. ....   Date ....

हिन्दुस्तान

भागलपुर, शुक्रवार, 12 मई 2023 07

उर्दू साहित्य समाज का आईना

- एएलवाई कॉलेज में उर्दू विषय पर हुई कार्यशाला
- उर्दू भाषा समाज को देती है सही दिशा और नई सीख

त्रिवेणीगंज, निज संवाददाता। एएलवाई कॉलेज सभा भवन में गुरुवार को उर्दू विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता उर्दू विषय के विभागाध्यक्षा प्रो. मो. अफरोज आलम ने की।

उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा साहित्य समाज का आईना है जो समाज को सही दिशा-निर्देश और नई सीख देता है। उर्दू एक लोकप्रिय भाषा है। इस भाषा को बोलने में शहद सा अहसास और सुनने में चासनी सी मिठास होती है। अरबी फारसी और हिन्दी भाषा से मिलकर इसका जन्म हुआ है। इस भाषा में खड़ी बोली की प्रधानता है। भारत में 12 वीं शताब्दी के आसपास इस भाषा का चलन बढ़ा। उस समय उर्दू के जानकारों में सबसे बड़ा नाम अमीर खुसरो (1253 ई.) का माना जाता है। उस समय उनकी गजलें, शायरी, मुहावरे आदि उर्दू भाषा में अधिक प्रचलित हुई। उर्दू विषय के प्राध्यापक प्रो. शकील अहमद ने कहा

एएलवाई कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में मौजूद लोग।

कि भाषा विज्ञान के आधार पर हिन्दी और उर्दू एक ही भाषा है। नस्तालिक लिपि में लिखी गई हिन्दी भाषा को उर्दू कहा जाता है। यह हिन्द आर्य भाषा है और भारतीय भाषा के एक मानकीकृत रूप मानी जाती है। उर्दू भाषा का विकास 711 ईसवी में सिंध के मुस्लिम विजय के साथ शुरू हुआ। उर्दू शब्द मूलतः तुर्की भाषा का है। विद्वान और भाषा विद अब्दुल हक (1870-1961) को उर्दू साहित्य का जनक मानते हैं। मौके पर उर्दू विषय के प्राध्यापक प्रो. मो. शफीकुल हक, प्रो. अरुण कुमार, डॉ. अरविंद कुमार, सोनू स्नेहिल, सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार, जय नारायण भगत, मनोज कुमार, अंजर आदि थे।

3.06.023

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

Principal

[redacted]

COMMUNITY COLLEGE

[ISO9001:2015CERTIFIED]

Mob.- 9939257785, 9431204188 ✱ Tel./Fax: 06477-220940 ✱ Website- www.alycollege.com ✱ E-mail- aly.college79@gmail.com

Ref. .... Date ....

हिन्दुस्तान भागलपुर, शुक्रवार, 12 मई 2023 07

उर्दू साहित्य समाज का आईना

- एएलवाई कॉलेज में उर्दू विषय पर हुई कार्यशाला
- उर्दू भाषा समाज को देती है सही दिशा और नई सीख

त्रिवेणीगंज, निज संवाददाता। एएलवाई कॉलेज सभा भवन में गुरुवार को उर्दू विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता उर्दू विषय के विभागाध्यक्षा प्रो. मो. अफरोज आलम ने की।

उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा साहित्य समाज का आईना है जो समाज को सही दिशा-निर्देश और नई सीख देता है। उर्दू एक लोकप्रिय भाषा है। इस भाषा को बोलने में शहद सा अहसास और सुनने में चासनी सी मिठास होती है। अरबी फारसी और हिन्दी भाषा से मिलकर इसका जन्म हुआ है। इस भाषा में खड़ी बोली की प्रधानता है। भारत में 12 वीं शताब्दी के आसपास इस भाषा का चलन बढ़ा। उस समय उर्दू के जानकारों में सबसे बड़ा नाम अमीर खुसरो (1253 ई.) का माना जाता है। उस समय उनकी गजलें, शायरी, मुहावरे आदि उर्दू भाषा में अधिक प्रचलित हुई। उर्दू विषय के प्राध्यापक प्रो. शकील अहमद ने कहा

एएलवाई कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में मौजूद लोग।

कि भाषा विज्ञान के आधार पर हिन्दी और उर्दू एक ही भाषा है। नस्तालिक लिपि में लिखी गई हिन्दी भाषा को उर्दू कहा जाता है। यह हिन्द आर्य भाषा है और भारतीय भाषा के एक मानकीकृत रूप मानी जाती है। उर्दू भाषा का विकास 711 ईसवी में सिंध के मुस्लिम विजय के साथ शुरू हुआ। उर्दू शब्द मूलतः तुर्की भाषा का है। विद्वान और भाषा विद अब्दुल हक (1870-1961) को उर्दू साहित्य का जनक मानते हैं। मौके पर उर्दू विषय के प्राध्यापक प्रो. मो. शफीकुल हक, प्रो. अरुण कुमार, डॉ. अरविंद कुमार, सोनू स्नेहिल, सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार, जय नारायण भगत, मनोज कुमार, अंजर आदि थे।

13.06.023

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

Ref. ....

Date ....

2 | दैनिक जागरण
भागलपुर, 12 मई, 2023
www.jagran.com

समाज का आईना है उर्दू साहित्य

संवाद सूत्र, त्रिवेणीगंज (सुपौल): मुख्यालय स्थित अनुपलाल यादव महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को उर्दू विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन उर्दू विषय के विभागाध्यक्ष प्रो मोहम्मद अफरोज आलम की अध्यक्षता में किया गया। उनके द्वारा कार्यशाला का मुख्य विषय शिक्षण कौशल रखा गया।

इसका, मुख्य उद्देश्य प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था। प्रो मोहम्मद अफरोज आलम ने कहा उर्दू भाषा का साहित्य समाज का आईना है जो समाज को सही दिशा-निर्देश एवं नई सीख देता है। साथ ही उर्दू एक लोकप्रिय भाषा है, इस भाषा को बोलने में शहद सा एहसास और सुनने में चाशनी सी मिठास होती है। अरबी फारसी और हिंदी भाषाओं से मिलकर इसका जन्म हुआ है। इस भाषा में खड़ी बोली की प्रधानता है। भारत में सरकारी कामकाज वगैरह में पहले उर्दू शब्द का उपयोग अधिक हुआ करता था, आज भी कानूनी काम-काज में अक्सर उर्दू शब्द का प्रयोग किया जाता है। उर्दू की शायरी में मीठी जुबान और लचक अधिक है। उर्दू विषय के प्राध्यापक प्रो शकील अहमद ने कहा भाषा विज्ञान के आधार पर हिंदी और उर्दू एक ही भाषा है। नस्तालीक लिपि में लिखी गई हिंदी भाषा को उर्दू कहा जाता है। यह हिंद आर्य भाषा है तथा भारतीय भाषा के एक मानकीकृत रूप मानी जाती है। उर्दू में संस्कृत के तत्सम शब्द न्यून है और अरबी,फारसी तथा संस्कृत के तद्भव शब्द अधिक है। उर्दू विषय के प्राध्यापक प्रो मोहम्मद शफीकुल हक ने बताया यह भाषा भारत,पाकिस्तान, ग्रेट ब्रिटेन, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कतर, सऊदी अरब,दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य जगहों पर बोली जाती है। वास्तव में इस भाषा का ज्ञान अन्य देशों में नौकरी खोजने और सामाजिक नेटवर्क का विस्तार करने में मदद करता है। वही प्रो अरुण कुमार, डॉ अरविंद कुमार, सोनू स्नेहिल आदि के द्वारा उर्दू विषय के महत्व को बताते हुए अच्छी शिक्षा ग्रहण के उपाय पर प्रकाश डालते हुए छात्र छात्राओं को महाविद्यालय के विधि- व्यवस्था एवं विभिन्न संरचना से अवगत कराया गया तथा नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया।

संबोधित करते शिक्षक ● जागरण

कार्यशाला में सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार, जय नारायण भगत, मनोज कुमार सहित अंजर, अबू सुफियान खान, मो मुस्तकीम अंसारी, मो अरमान आलम, मो शाह रोज, मो दिलशाद आलम, खुशबू प्रवीण,नाजरा प्रवीण, सानू प्रवीण,मुस्कान प्रवीण,सावा प्रवीण,रेहाना खातून, तरन्नुम आरा,नू परवीन,मासूमा प्रवीण,मु खातून, नुसरत खातून, सनत नगमा, रोशनी प्रवीण, रुकसाना खातून उर्दू विषय की छात्र-छात्रा मौजूद थे।

13.06.023

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

A.L.Y. MAHAVIDYALAYA TRIVENIGANJ

Distt.- Supaul (Bihar) PIN- 852139

Regd. U.G.C. Under Section 2 (f) & 12 (B) act. 1956

Permanent Affiliated unit of B.N. Mandal University, Madhepura (Bihar)

Principal

Mob.- 9939257785, 94312[illegible] ...y.college79@gmail.com

Ref. .... Date ....

प्रभात खबर

भागलपुर, शुक्रवार 12.05.2023 | 02

prabhatkhabar.com

अनूप लाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज के तत्वावधान में उर्दू विषय पर कार्यशाला का आयोजन, प्रो मो अफरोज आलम ने कहा

अरबी, फारसी व हिंदी भाषाओं से मिलकर उर्दू का हुआ जन्म

प्रतिनिधि, त्रिवेणीगंज

अनूप लाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज के तत्वावधान में उर्दू विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता उर्दू विषय के विभागाध्यक्षा प्रो मो अफरोज आलम ने किया. उनके द्वारा कार्यशाला का मुख्य विषय शिक्षण कौशल रखा गया. जिसका मुख्य उद्देश्य प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं के बीच समन्वय स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को उजागर करना था. प्रो मो अफरोज आलम ने कहा उर्दू भाषा का साहित्य समाज का आईना है, जो समाज को सही दिशा-निर्देश एवं नई सीख देता है. अरबी फारसी और हिंदी भाषाओं से मिलकर इसका जन्म हुआ है. इस भाषा में खड़ी बोली की प्रधानता है. भारत में 12वीं शताब्दी के आसपास इस भाषा का चलन बढ़ा, उस समय उर्दू के जानकारों में सबसे बड़ा नाम अमीर खुसरो का माना जाता है. उस समय उनकी गजलें, शेर, मुहावरे आदि उर्दू भाषा में अधिक प्रचलित हुआ. भारत में सरकारी कामकाज वगैरह में पहले उर्दू शब्द का उपयोग अधिक हुआ करता था. आज भी कानूनी काम-काज में अक्सर उर्दू शब्द का प्रयोग किया जाता है. उर्दू की शायरी में मीठी जुबान और लचक अधिक है. मीर तकी मीर, ख्वाजा मीर दर्द, इंशा, नासिख,आतिश, मोमिन और गालिब आदि 18वीं और 19वीं शताब्दी के महान कवि माने जाते हैं. गालिब को आधुनिक युग के उर्दू के पहला कवि माना जाता है. उर्दू कवियों में अल्लामा इकबाल, फिराक गोरखपुरी आदि महान कवियों की सूची में शामिल है. उर्दू विषय के प्राध्यापक प्रो शकील अहमद ने कहा भाषा विज्ञान के आधार पर हिंदी और उर्दू एक ही भाषा है. उर्दू शब्द मूलतः तुर्की भाषा का है. विद्वान और भाषा विद अब्दुल हक को उर्दू साहित्य का जनक मानते हैं. प्राध्यापक प्रो मो शफीकुल हक ने बताया यह भाषा भारत, पाकिस्तान, ग्रेट ब्रिटेन, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कतर, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य जगहों पर बोली जाती है. प्रो अरुण कुमार, डॉ अरविंद कुमार, सोनू स्नेहिल व अन्य द्वारा उर्दू विषय के महत्व को बताते हुए, अच्छी शिक्षा ग्रहण के उपाय पर प्रकाश डालते हुए छात्र छात्राओं को महाविद्यालय के विधि- व्यवस्था एवं विभिन्न संरचना से अवगत कराया गया तथा नियमित महाविद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया. कार्यशाला में सुरेंद्र कुमार, भूषण कुमार, गगन कुमार, दिग्दर्शन, प्रभात कुमार, जय नारायण भगत, मनोज कुमार, अंजर, अबू सुफियान खान, मो मुस्तकीम अंसारी, मो अरमान आलम, मो शाह रोज, मो दिलशाद आलम, खुशबू प्रवीण, नाजरा प्रवीण, सा[illegible] प्रवीण, मुस्कान प्रवीण, सावा प्रवीण, रेहाना खातून, तरन्नुम आरा, नूरत परवीन, मासूमा प्रवीण, मुन्नी खातून, नुसरत खातून, सनत नगमा, रोशनी प्रवीण, रुकसाना खातून तथा अन्य उपस्थित थे.

कार्यशाला में मौजूद अतिथि व छात्र-छात्रा.

NEWSPAPER RELEASE OF THE EVENT

Principal
Anoop Lal Yadav Mahavidyalaya
Triveniganj, Supaul (Bihar)

Full signature of IQAC Coordinator

Important:

This report should also be accompanied with the following documents:

1. Notice of the Event
2. M.O.M. of the Program
3. Original Attendance Record
4. Geo-tagged and Non Geo-tagged Photographs of the Events
5. Copy of Newspaper Release